Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 18

No. of Printed Pages – 7

SS-01-Hindi (C)

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2025

हिंदी (अनिवार्य)

समय : 3 घण्टे 15 मिनिट

पूर्णांक : 80

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न–पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

2) **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें ।

4) जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।

5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

खण्ड – अ

प्र.1) **निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए –** [16 × 1 = 16]

i) 'स्टिंग ऑपरेशन' किस पत्रकारिता का रूप है? [1]

अ) खोजी पत्रकारिता ब) वॉचडॉग पत्रकारिता
स) एडवोकेसी पत्रकारिता द) वैकल्पिक पत्रकारिता

ii) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम कौनसा है? [1]

अ) रेडियो ब) दूरदर्शन
स) मुद्रित या प्रिंट माध्यम द) इंटरनेट

iii) भाषा की ध्वनियों को जिन लेखन चिह्नों में लिखा जाता है उसे क्या कहते हैं? [1]

अ) भाषा ब) लिपि
स) बोली द) स्वर

iv) एक सीमित क्षेत्र में बोले जाने वाले भाषा के स्थानीय रूप को कहा जाता है – [1]

अ) बोली ब) स्वर
स) व्यञ्जन द) भाषा

v) 'एक गीत' शीर्षक कविता किस संग्रह से ली गई है? [1]

अ) कोई दूसरा नहीं ब) इन दिनों
स) बात सीधी थी पर द) निशा–निमंत्रण

vi) 'कवितावली' किस कवि की रचना है? [1]

अ) सूरदास ब) तुलसीदास
स) कबीर द) रसखान

vii) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि को चौकोर खेत किसकी तरह लगता है? [1]

अ) कागज का पन्ना ब) बगुलों के पंख
स) काले बादल द) अंधड़

viii) 'भक्तिन' का असली नाम क्या था? [1]

अ) गोपालिका ब) अंजना
स) लछमिन (लक्ष्मी) द) भक्तिन

ix) 'भगत जी' बाजार चौक में क्या बेचते थे? [1]

अ) ज़ीरा ब) चूरन
स) काला नमक द) कुछ नहीं

x) लोक–प्रचलित विश्वास और विज्ञान के द्वन्द्व का सुन्दर चित्रण किस पाठ में है – [1]
अ) काले मेघा पानी दे
ब) भक्तिन
स) बाज़ार दर्शन
द) पहलवान की ढोलक

xi) 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ किसके भाषण का हिन्दी रूपांतर है? [1]
अ) भीमराव आंबेडकर
ब) महादेवी वर्मा
स) फणीश्वर नाथ 'रेणु'
द) हजारी प्रसाद द्विवेदी

xii) 'जो हुआ होगा' जुमले में क्या भाव निहित है? [1]
अ) ज्यों का त्यों स्वीकार कर लेने का भाव
ब) प्रापर–विकास
स) तरक्की को स्वीकारना
द) परायापन

xiii) 'वाई. डी. पंत' का पूरा नाम क्या था? [1]
अ) यशोदा पंत
ब) यशवंत पंत
स) यशोधर पंत
द) यश कुँवर पंत

xiv) पाठशाला में लेखक की मित्रता किसके साथ हुई? 'जूझ' पाठ के आधार पर बताइए। [1]
अ) वसंत पाटिल
ब) मास्टर मंत्री
स) केशव करणी
द) मास्टर सौंदलगेकर

xv) दुनिया के दो सबसे पुराने नियोजित शहर माने जाते है – [1]
अ) मुअनजो–दड़ो और हड़प्पा
ब) नागरभारत और गढ़
स) मिश्र और मेसोपोटामिया
द) महाकुंड और पूरब की बस्ती

xvi) 'जूझ' पाठ के लेखक का नाम है – [1]
अ) ओम थानवी
ब) मनोहर श्याम जोशी
स) यशपाल
द) आनन्द यादव

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – [6 × 1 = 6]

i) शब्द की जिस शक्ति से किसी शब्द के सबसे साधारण लोक – प्रचलित अथवा मुख्य अर्थ का बोध होता है, उसे .... शब्द शक्ति कहते हैं। [1]

ii) 'नरेश तो बैल है।' वाक्य में .... शब्द शक्ति है। [1]

iii) 'पानी गए न ऊबरे मोती मानस, चून' – 'पानी' शब्द में .... अलंकार है। [1]

iv) जब किसी व्यक्ति के एक अर्थ में कहे गये शब्द या वाक्य का कोई दूसरा व्यक्ति जानबूझकर दूसरा अर्थ कल्पित करे तो वहाँ .... अलंकार होता है। [1]

v) 'ANNUAL' शब्द का सही हिन्दी शब्द (पारिभाषिक शब्द) .... है। [1]

vi) 'शिविर' शब्द के लिए सही अंग्रेजी शब्द (पारिभाषिक शब्द)........... है। [1]

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए –[6 × 1 = 6]

चरित्र–बल मनुष्य का सर्वोत्तम गुण है। मनुष्य अपने चरित्र की शक्ति से अनेकानेक आपत्तियों, विपत्तियों और कठिनाइयों का सामना कर सकता है। चरित्र किसी व्यक्ति, समाज अथवा राष्ट्र की मूलाधार शक्ति है। सम्मानपूर्वक और सफल जीवन व्यतीत करने के लिए उत्तम चरित्र का होना नितांत आवश्यक है। दूसरों पर जितना अधिक गहरा प्रभाव चरित्र का पड़ता है, उतना अन्य किसी गुण का नहीं। जीवन को सुख–शांति तथा आनंद से भरपूर बनाने के लिए मनुष्य को निरंतर सच्चरित्र बनने का प्रयास करना चाहिए। दुश्चरित्र व्यक्ति समाज का कोढ़ है, मानवता का कलंक है। सत्चरित्र ही सफलता की कुंजी है। सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान सुगंधित शव के समान है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

ii) मनुष्य का सर्वोत्तम गुण क्या है? [1]

iii) चरित्र की शक्ति से मनुष्य क्या–क्या कर सकता है? [1]

iv) उत्तम चरित्र का होना किस लिए आवश्यक है? [1]

v) मनुष्य को सच्चरित्र बनने का प्रयास क्यों करना चाहिए? [1]

vi) सच्चरित्रता के अभाव में केवल बौद्धिक ज्ञान किसके समान होता है? [1]

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए – [6 × 1 = 6]

मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै?
जैसे उड़ि जहाज कौ पंछी फिरि जहाज पर आवै ॥
कमल – नैन कौ छाँड़ि महातम, और देव को ध्यावै।
परम गंग को छाँड़ि पियासो, दुरमति कूप खनावै ॥
जिहि मधुकर अंबुज–रस चाख्यौ, क्यौं करील फल भावै।

i) उपर्युक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। [1]

ii) जहाज का पंछी उड़कर कहाँ जाता है? [1]

iii) गंगा के जल को छोड़कर कुँआ खुदवाने वाले व्यक्ति को कवि ने क्या कहा है? [1]

iv) करील के फल किसे अच्छे नहीं लगते? [1]

v) 'मेरो मन अनत कहाँ सुख पावै? – पंक्ति का भावार्थ लिखिए। [1]

vi) 'पियासो' शब्द का क्या अर्थ है? [1]

खण्ड – ब

निम्नलिखित लघुत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए –

प्र.5) समाचार–लिखते समय कितने ककारों को ध्यान में रखा जाता है? परिचय दीजिए। [2]

प्र.6) ''अच्छा तो यह ठहरा ड्रेसिंग गाउन।'' कहते हुए उनकी आँखों में नमी चमक गई।
– 'सिल्वर वेडिंग' पाठ के आधार पर उपर्युक्त कथन के भाव को संक्षेप में लिखिए। [2]

प्र.7) पहले दिन ही कक्षा में बैठने पर लेखक का मन खट्टा क्यों हो गया? 'जूझ' पाठ के आधार पर लिखिए। [2]

प्र.8) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता में रघुवीर सहाय ने किस सामाजिक विडंबना को उभारने का प्रयास किया है? [2]

प्र.9) लुट्टन के सिर पर कसरत की धुन कब सवार हुई? 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर बताइए। [2]

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 10 से 14 तक के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए –

प्र.10) ''जाति–प्रथा को यदि श्रम विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है।'' पंक्ति को 'श्रम विभाजन और जाति प्रथा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [3]

अथवा

बाज़ार का जादू कैसे काम करता है? – 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर समझाइए।

प्र.11) ''यह एक यात्रा है जो चिड़िया, फूल से लेकर बच्चे तक की है।'' – पंक्ति के आधार पर 'कविता के बहाने' कविता की मूल संवेदना लिखिए। [3]

अथवा

''किसबी किसान–कुल ....'' छंद में तुलसीदास जी के अनुसार 'पेट की ज्वाला' का समाधान क्या है? समझाइए।

प्र.12) किशनदा के दिल्ली से चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने किशनदा की किन परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश की? [3]

अथवा

मुअनजो–दड़ो की गलियों में घूमते हुए लेखक को अनचाहे ही राजस्थान का ख्याल क्यों आया? ''अतीत में दबे पाँव'' पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र.13) हरिवंश राय बच्चन अथवा धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय लिखिए। [3]

प्र.14) फ़ीचर कितने प्रकार के होते हैं? समझाइए। [3]

अथवा

सूचनाओं के प्रमुख स्रोत कौनसे है? लिखिए।

खण्ड – द

प्र.15) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [6]

उहाँ राम लछिमनहि निहारी। बोले बचन मनुज अनुसारी॥
अर्ध राति गइ कपि नहिं आयउ। राम उठाइ अनुज उर लायऊ॥
सकहु न दुखित देखि मोहि काऊ। बंधु सदा तव मृदुल सुभाऊ॥
मम हित लागी तजेहु पितु माता। सहेहु बिपिन हिम आतप बाता॥

अथवा

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरो के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के खतरनाक किनारों तक –
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत

प्र.16) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – [6]

फूल है शिरीष । वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्धात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है।

अथवा

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी । निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हृदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी । आकाश में तारे चमक रहे थे । पृथ्वी पर कहीं प्रकाश का नाम नहीं । आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्ते में ही शेष हो जाती थी । अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पड़ते थे ।

प्र.17) निदेशक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली द्वारा बिजली उपकरणों की आपूर्ति हेतु निर्धारित प्रारूप में एक निविदा लिखिए । [4]

अथवा

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, उत्तरप्रदेश द्वारा पाठ्य पुस्तक विक्रेताओं को बोर्ड कार्यालय, इलाहाबाद में पंजीयन करवाने हेतु विज्ञप्ति लिखिए ।

प्र.18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए । [5]

(1) वैवाहिक उत्सवों में बढ़ता दिखावा

(2) हमारे बुजुर्ग – हमारी धरोहर

(3) मेरा पहला शैक्षणिक भ्रमण

(4) बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं; कारण और निवारण